

॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा। ग॒णप॑तिमि॒ति ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे। क॒विम्।
क॒वीना॑म्। उ॒पम॑श्र॒वस्तम॑मित्यु॒पम॑श्र॒वः-त॑मम्॥ ज्येष्ठ॒राज॑मि॒ति
ज्येष्ठ॒-राज॑म्। ब्र॒ह्म॑णाम्। ब्र॒ह्म॑णः। प॒ते। ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्।
ऊ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः। सी॒द। सा॒दन॑म्॥

नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इ॒ति। ते। इ॒षवे॑। नमः॑॥ नमः॑।
ते। अ॒स्तु। ध॒न्व॑ने। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-भ्या॑म्। उ॒त। ते। नमः॑॥
या। ते। इ॒षुः। शि॒वत॑मे॒ति शि॒व-त॑मा। शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥
शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या। तव॑। तया॑। नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र।
शि॒वा। त॒नूः। अ॒घो॑रा। अ॒पाप॑काशिनीत्य॒पाप॑-का॒शिनी॑॥ तया॑। नः।
त॒नुवा॑। श॒न्त॑मये॒ति श॒म्-त॑मया। गि॒रि॑श॒न्तेति॑ गि॒रि॑-श॒न्त। अ॒भीति॑।
चा॒क॒शीहि॑॥ याम्। इ॒षुम्। गि॒रि॑श॒न्तेति॑ गि॒रि॑-श॒न्त। ह॒स्ते॑। (१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि-त्र॑। ताम्। कुरु॑। मा।
हि॒ःसीः। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा। त्वा। गि॒रि॑श। अ॒च्छा।
व॒दाम॑सि॥ यथा॑। नः। सर्व॑म्। इत्। जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॑
इति॑ सु॒मनाः॑। अस॑त्॥ अधी॑ति। अ॒वोच॑त्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि॒व॒क्ता।
प्र॒थमः॑। दै॒व्यः। भि॒षक्॥ अ॒हीन॑। च। सर्वा॑न्। ज॒म्भय॑न्। सर्वाः॑।
च। या॒तु॒धा॒न्य॑ इति॑ या॒तु॒धा॒न्यः॥ असौ॑। यः। ताम्रः॑। अ॒रुणः॑। उ॒त।
ब॒भ्रुः। सु॒म॒ङ्गल॑ इति॑ सु॒म॒ङ्गलः॑॥ ये। च। इ॒माम्। रु॒द्राः। अ॒भितः॑।
दि॒क्षु। (२)

श्रिताः। सहस्रश इति सहस्र-शः। अवेति। एषाम्। हेडः। ईमहे॥
 असौ। यः। अवसर्पतीत्यव-सर्पति। नीलग्रीव इति नील-ग्रीवः।
 विलोहित इति वि-लोहितः॥ उत। एनम्। गोपा इति गो-पाः।
 अदृशन्। अदृशन्। उदहार्य इत्युद-हार्यः॥ उत। एनम्। विश्वा।
 भूतानि। सः। दृष्टः। मृडयाति। नः॥ नमः। अस्तु। नीलग्रीवायेति
 नील-ग्रीवाय। सहस्राक्षायेति सहस्र-अक्षाय। मीढुषे॥ अथो इति।
 ये। अस्य। सत्वानः। अहम्। तेभ्यः। अकरम्। नमः॥ प्रेति। मुञ्च।
 धन्वनः। त्वम्। उभयोः। आर्त्रियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्ते।
 इषवः। (३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वपु॥ अवतत्येत्यव-तत्य।
 धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-इषुधे॥
 निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखौ। शिवः। नः। सुमना
 इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः। कपर्दिनः।
 विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्। उत॥ अनेशन।
 अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥ या। ते। हेतिः।
 मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। हस्ते। बभूव। ते। धनुः॥ तया। अस्मान्।
 विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति। भुज॥ नमः। ते। अस्तु।
 आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय। धृष्णवे॥ उभाभ्याम्। उत।
 ते। नमः। बाहुभ्यामिति बाहु-भ्याम्। तव। धन्वने॥ परीति। ते।

धन्व॑नः। हे॒तिः। अ॒स्मान्। वृ॒ण॒क्तु। वि॒श्वतः॑॥ अथो॒ इति॑। यः।
इ॒षु॒धिरि॒तीषु॒धिः। तव॑। आ॒रे। अ॒स्मत्। नी॒ति॑। धे॒हि। तम्॥ (४)

नमः॑। हि॒र॒ण्य॒बा॒हव॒ इति॑ हि॒र॒ण्य॒बा॒ह॒वे। से॒ना॒न्य॑ इति॑ से॒ना॒न्य॑।
दि॒शाम्। च। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑। हरि॑केशेभ्य॒ इति॑
हरि॑-के॒शेभ्यः॑। प॒शूनाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। स॒स्मिञ्ज॑राय।
त्वि॒षी॑मत् इति॑ त्वि॒षी॑-म॒ते। प॒थी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
ब॒भ्रु॒शाय॑। वि॒व्या॒धि॒न् इति॑ वि॒व्या॒धि॒ने॑। अ॒न्नाना॑म्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। हरि॑केशायेति॒ हरि॑-के॒शाय॑। उ॒प॒वी॒ति॒न् इत्यु॑प॒वी॒ति॒ने॑।
पु॒ष्टा॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। भु॒व॒स्य॑। हे॒त्यै। जग॑ताम्। पत॑ये।
नमः॑। नमः॑। रु॒द्राय॑। आ॒त॒ता॒वि॒न् इत्या॑-त॒ता॒वि॒ने॑। क्षे॒त्रा॒णाम्।
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒ताय॑। अ॒ह॒न्त्या॑य। व॒ना॒नाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒पत॑ये। वृ॒क्षा॒णा॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। म॒न्त्रि॒णे॑।
वा॒णि॒जाय॑। क॒क्षा॒णा॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। भु॒व॒न्त॑ये।
वा॒रि॒व॒स्कृ॒तायेति॑ वा॒रि॒वः-कृ॒ताय॑। ओष॑धीनाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। उ॒च्चैर्घो॑षायेत्यु॒च्चैः-घो॑षा॒य॑। आ॒क्र॒न्द॒य॒न्त॒ इत्या॑-क्र॒न्द॒य॒न्ते।
प॒त्ती॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। कृ॒थ॒स्त्र॒वी॒तायेति॑ कृ॒थ॒स्त्र॒वी॒ताय॑।
धा॒व॒न्ते। स॒त्त्व॑नाम्। पत॑ये। नमः॑॥ (६)

नमः॑। स॒ह॒मा॒नाय॑। नि॒व्या॒धि॒न् इति॑ नि॒व्या॒धि॒ने॑। आ॒व्या॒धि॒नी॑ना॒मित्या॑
व्या॒धि॒नी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण॒ इति॑

नि-सङ्गिने॑। स्तेनाना॑म्। पतये। नमः॑। नमः॑। निषङ्गिण॑ इति
 नि-सङ्गिने॑। इषुधि॑मत् इतीषुधि-मते॑। तस्कराणाम्। पतये। नमः॑।
 नमः॑। वञ्चते। परि॒वञ्च॑त् इति परि-वञ्चते। स्तायूनाम्। पतये।
 नमः॑। नमः॑। नि॒चेर॑व इति नि-चेरवे॑। परि॒च॒राये॑ति परि-च॒राय॑।
 अर॑ण्यानाम्। पतये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒वि॒भ्य॒ इति सू॒का॒वि॒भ्यः॑।
 जिघा॑स॒ञ्च इति जिघा॑स॒त्-भ्यः॑। मुष्ण॑ताम्। पतये। नमः॑।
 नमः॑। अ॒सि॒म॒ञ्च इत्य॑सि॒म॒त्-भ्यः॑। नक्त॑म्। चर॑ञ्च इति चर॑त्-भ्यः॑।
 प्र॒कृ॒न्ताना॑मिति प्र-कृ॒न्ताना॑म्। पतये। नमः॑। नमः॑। उ॒ष्णी॒षिणै॑।
 गि॒रि॒च॒राये॑ति गि॒रि॒च॒राय॑। कुलु॒श्चाना॑म्। पतये। नमः॑। नमः॑।
 (७)

इषु॑म॒ञ्च इतीषु॑म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॒ इति ध॒न्वा॒वि॒भ्यः॑। च॒। वः॒।
 नमः॑। नमः॑। आ॒त॒न्वा॒नेभ्य॑ इत्या॑-त॒न्वा॒नेभ्यः॑। प्र॒ति॒द॒धा॒नेभ्य॑ इति
 प्र॒ति॒द॒धा॒नेभ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। आ॒य॒च्छ॒ञ्च इत्या॑य॒च्छ॒त्-
 भ्यः॑। वि॒सृ॒ज॒ञ्च इति वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॑ञ्च
 इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॑। वि॒ध्य॑ञ्च इति वि॒ध्य॒त्-भ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑।
 आसी॑नेभ्यः। शया॑नेभ्यः। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॒ञ्च इति स्व॒प॒त्-
 भ्यः॑। जाग्र॑ञ्च इति जाग्र॑त्-भ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। तिष्ठ॑ञ्च
 इति तिष्ठ॑त्-भ्यः॑। धाव॑ञ्च इति धाव॑त्-भ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑।
 स॒भा॒भ्यः॑। स॒भाप॑तिभ्य इति स॒भाप॑ति-भ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑।
 अ॒श्वै॑भ्यः। अ॒श्वप॑तिभ्य इत्य॑श्वपति-भ्यः॑। च॒। वः॒। नमः॑॥ (८)
 नमः॑। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः। वि॒वि॒ध्य॑न्तीभ्य इति वि-

विध्यन्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उगणाभ्यः। तृहतीभ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। गृत्सेभ्यः। गृत्सपतिभ्य इति गृत्सपति-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। व्रातेभ्यः। व्रातपतिभ्य इति व्रातपति-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। गणेभ्यः। गणपतिभ्य इति गणपति-भ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। विरूपेभ्य इति वि-रूपेभ्यः। विश्वरूपेभ्य इति विश्व-
 रूपेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। महद्भ्य इति महत्-भ्यः। क्षुल्लकेभ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। रथिभ्य इति रथि-भ्यः। अरथेभ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। रथेभ्यः। (९)

रथपतिभ्य इति रथपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। सेनाभ्यः।
 सेनानिभ्य इति सेनानि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्षत्तृभ्य
 इति क्षत्तृ-भ्यः। सङ्ग्रहीतृभ्य इति सङ्ग्रहीतृ-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। तक्षभ्य इति तक्ष-भ्यः। रथकारेभ्य इति रथ-कारेभ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। कुलालेभ्यः। कर्मरिभ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 पुञ्जिष्टेभ्यः। निषादेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इषुकृद्भ्य इतीषुकृत्-
 भ्यः। धन्वकृद्भ्य इति धन्वकृत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। मृगयुभ्य
 इति मृगयु-भ्यः। श्वनिभ्य इति श्वनि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।
 श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति श्वपति-भ्यः। च। वः। नमः॥
 (१०)

नमः। भवाय। च। रुद्राय। च। नमः। शर्वाय। च। पशुपतय
 इति पशु-पतये। च। नमः। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय। च।
 शितिकण्ठायेति शिति-कण्ठाय। च। नमः। कपर्दिने। च।

व्युत्तकेशायेति व्युत्त-केशाय। च। नमः। सहस्राक्षायेति सहस्र-
 अक्षाय। च। शतधन्वन इति शत-धन्वने। च। नमः। गिरिशाय।
 च। शिपिविष्टायेति शिपि-विष्टाय। च। नमः। मीढुष्टमायेति
 मीढुः-तमाय। च। इषुमत् इतीषु-मते। च। नमः। ह्रस्वाय। च।
 वामनाय। च। नमः। बृहते। च। वर्षीयसे। च। नमः। वृद्धाय।
 च। संवृध्वन इति सम्-वृध्वने। च। (११)

नमः। अग्रियाय। च। प्रथमाय। च। नमः। आशवे। च। अजिराय।
 च। नमः। शीघ्रियाय। च। शीभ्याय। च। नमः। ऊर्म्याय। च।
 अवस्वन्यायेत्यव-स्वन्याय। च। नमः। स्रोतस्याय। च। द्वीप्याय।
 च॥ (१२)

नमः। ज्येष्ठाय। च। कनिष्ठाय। च। नमः। पूर्वजायेति पूर्व-जाय। च।
 अपरजायेत्यपर-जाय। च। नमः। मध्यमाय। च। अपगल्भायेत्यप-
 गल्भाय। च। नमः। जघन्याय। च। बुध्नियाय। च। नमः। सोभ्याय।
 च। प्रतिसूर्यायेति प्रति-सूर्याय। च। नमः। याम्याय। च। क्षेम्याय।
 च। नमः। उर्वर्याय। च। खल्याय। च। नमः। श्लोक्याय। च।
 अवसान्यायेत्यव-सान्याय। च। नमः। वन्याय। च। कक्ष्याय। च।
 नमः। श्रवाय। च। प्रतिश्रवायेति प्रति-श्रवाय। च। (१३)

नमः। आशुषेणायेत्याशु-सेनाय। च। आशुरंथायेत्याशु-रंथाय। च।
 नमः। शूराय। च। अवभिन्दत इत्यव-भिन्दते। च। नमः। वर्मिणे।
 च। वरूथिने। च। नमः। बिल्मिने। च। कवचिने। च। नमः। श्रुताय।

च। श्रुतसेनायेति श्रुत-सेनाय। च॥ (१४)

नमः। दुन्दुभ्याय। च। आहनन्यायेत्या-हनन्याय। च। नमः।
धृष्णवे। च। प्रमृशायेति प्र-मृशाय। च। नमः। दूताय। च।
प्रहितायेति प्र-हिताय। च। नमः। निषङ्गिण इति नि-सङ्गिने। च।
इषुधिमत इतीषुधि-मतै। च। नमः। तीक्ष्णेष्व इति तीक्ष्ण-इष्वे।
च। आयुधिने। च। नमः। स्वायुधायेति सु-आयुधाय। च। सुधन्वन्
इति सु-धन्वने। च। नमः। सुत्याय। च। पथ्याय। च। नमः।
काट्याय। च। नीप्याय। च। नमः। सूद्याय। च। सरस्याय। च।
नमः। नाद्याय। च। वैशन्ताय। च। (१५)

नमः। कूप्याय। च। अवट्याय। च। नमः। वर्ष्याय। च। अवर्ष्याय।
च। नमः। मेघ्याय। च। विद्युत्यायेति वि-द्युत्याय। च। नमः।
ईध्रियाय। च। आतप्यायेत्या-तप्याय। च। नमः। वात्याय। च।
रेष्मियाय। च। नमः। वास्तव्याय। च। वास्तुपायेति वास्तु-पाय।
च॥ (१६)

नमः। सोमाय। च। रुद्राय। च। नमः। ताम्राय। च। अरुणाय। च।
नमः। शङ्गाय। च। पशुपतय इति पशु-पतये। च। नमः। उग्राय।
च। भीमाय। च। नमः। अग्रेवधायेत्यग्रे-वधाय। च। दूरेवधायेति
दूरे-वधाय। च। नमः। हन्त्रे। च। हनीयसे। च। नमः। वृक्षेभ्यः।
हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। नमः। ताराय। नमः। शम्भव इति
शम्-भवै। च। मयोभव इति मयः-भवै। च। नमः। शङ्करायेति

शम्-कराय। च। मयस्कुरायेति मयः-कराय। च। नमः। शिवाय।
च। शिवतरायेति शिव-तराय। च। (१७)

नमः। तीर्थाय। च। कूल्याय। च। नमः। पार्याय। च। अवार्याय।
च। नमः। प्रतरणायेति प्र-तरणाय। च। उत्तरणायेत्युत्-तरणाय।
च। नमः। आतार्यायेत्या-तार्याय। च। आलाद्यायेत्या-लाद्याय।
च। नमः। शष्याय। च। फेन्याय। च। नमः। सिकृत्याय। च।
प्रवाह्यायेति प्र-वाह्याय। च॥ (१८)

नमः। इरिण्याय। च। प्रपथ्यायेति प्र-पथ्याय। च। नमः।
किंशिलाय। च। क्षयणाय। च। नमः। कपर्दिने। च। पुलस्तये।
च। नमः। गोष्ठ्यायेति गो-स्थ्याय। च। गृह्याय। च। नमः।
तल्प्याय। च। गेह्याय। च। नमः। काट्याय। च। गह्वरेष्ठायेति
गह्वरे-स्थाय। च। नमः। हृदय्याय। च। निवेष्यायेति नि-वेष्याय।
च। नमः। पांसव्याय। च। रजस्याय। च। नमः। शुष्क्याय। च।
हरित्याय। च। नमः। लोप्याय। च। उलप्याय। च। (१९)

नमः। ऊर्व्याय। च। सूर्म्याय। च। नमः। पुर्ण्याय। च।
पूर्णशद्यायेति पर्ण-शद्याय। च। नमः। अपगुरमाणायेत्यप-
गुरमाणाय। च। अभिघ्नत इत्यभि-घ्नते। च। नमः। अखिखदत
इत्या-खिदते। च। प्रखिखदत इति प्र-खिदते। च। नमः। वः।
किरिकेभ्यः। देवानाम्। हृदयेभ्यः। नमः। विक्षीणकेभ्य इति
वि-क्षीणकेभ्यः। नमः। विचिन्वत्केभ्य इति वि-चिन्वत्केभ्यः।

नमः। आ॒निर॒ह॒तेभ्य॒ इत्या॑निः-ह॒तेभ्यः॑। नमः। आ॒मी॒व॒त्केभ्य॒
इत्या॑-मी॒व॒त्केभ्यः॑॥ (२०)

द्रापै॑। अ॒न्ध॑सः। प॒ते। द॒रि॒द्र॒त्। नि॒ल॒लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॒-लो॒हि॒त्॥
ए॒षाम्। पु॒रु॒षा॒णाम्। ए॒षाम्। प॒शूना॑म्। मा॒ भेः॑। मा॒ अ॒रः॑। मो
इति॑। ए॒षाम्। किम्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॥ या॒ ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः।
शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॒भे॒ष॒जीति॑ वि॒श्वा॒ह॒-भे॒ष॒जी॥ शि॒वा। रु॒द्र॒स्य॑। भे॒ष॒जी।
तया॑। नः॑। मृ॒डा। जी॒व॒से॑॥ इ॒माम्। रु॒द्रा॒य॑। त॒व॒से॑। क॒प॒र्दि॒ने॑।
क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य॑। प्रेति॑। भ॒रा॒म॒हे। म॒तिम्॥ यथा॑। नः॑।
शम्। अ॒स॒त्। द्वि॒प॒द इति॑ द्वि॒-प॒दै॑। चतु॑ष्प॒द इति॑ चतुः॑-प॒दै॑।
वि॒श्वम्। पु॒ष्टम्। ग्रा॒मे॑। अ॒स्मिन्। (२१)

अना॑तुर॒मित्य॑ना॑-तुर॒म्॥ मृ॒डा। नः॑। रु॒द्र। उ॒त। नः॑। म॒यः॑। कृ॒धि।
क्ष॒य॒द्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒य॒त्-वी॒रा॒य॑। नम॑सा। वि॒धे॒म॒। ते॑॥ यत्। शम्। च॒।
योः॑। च॒। मनुः॑। आ॒य॒ज इत्या॑-य॒जे। पि॒ता। तत्। अ॒श्या॑म्। तव॑।
रु॒द्र। प्र॒णी॒ता॒विति॑ प्र-नी॒तौ॑॥ मा॒ नः॑। म॒हान्त॑म्। उ॒त। मा॒ नः॑।
अ॒र्भ॒कम्। मा॒ नः॑। उ॒क्ष॒न्तम्। उ॒त। मा॒ नः॑। उ॒क्षि॑तम्॥ मा॒ नः॑।
व॒धीः। पि॒तर॑म्। मा॒ उ॒त। मा॒तर॑म्। प्रि॒याः। मा॒ नः॑। त॒नु॒वः॑।
(२२)

रु॒द्र। री॒रि॒षः॥ मा॒ नः॑। तो॒के। तन॑ये। मा॒ नः॑। आ॒यु॑षि। मा॒ नः॑।
गो॒षु॑। मा॒ नः॑। अ॒श्वेषु॑। री॒रि॒षः॥ वी॒रा॒न्। मा॒ नः॑। रु॒द्र। भा॒मि॒तः।
व॒धीः। ह॒वि॒ष्म॑न्तः। नम॑सा। वि॒धे॒म॒। ते॑॥ आ॒रा॒त्। ते॑। गो॒घ्न इति॑

गो-घ्रे। उ॒त। पू॒रुष॒घ्न इति॑ पू॒रुष-घ्रे। क्ष॒यद्वी॑रा॒येति॑ क्ष॒यत्-वी॒रा॒य।
 सु॒म्रम्। अ॒स्मे इति॑ ते। अ॒स्तु॥ रक्षा॑। च। नः। अधी॑ति। च। दे॒व।
 ब्रू॒हि। अधा॑। च। नः। शर्म॑। य॒च्छ। द्वि॒बर्हा॑ इति॑ द्वि-बर्हाः॑॥ स्तु॒हि।
 (२३)

श्रु॒तम्। ग॒र्त॒सद॒मिति॑ गर्त॒-सद॒म्। युवा॑नम्। मृ॒गम्। ना। भी॒मम्।
 उ॒प॒हृ॒बुम्। उ॒ग्रम्॥ मृ॒डा। ज॒रि॒त्रे। रु॒द्र। स्तवा॑नः। अ॒न्यम्। ते।
 अ॒स्मत्। नी॑ति। व॒प॒न्तु। सेनाः॑॥ परी॑ति। नः। रु॒द्रस्य॑। हे॒तिः।
 वृ॒ण॒क्तु। परी॑ति। त्वे॒षस्य॑। दु॒र्म॒तिरिति॑ दुः-म॒तिः। अ॒घा॒यो॒रित्य॑घा॒-
 योः॥ अवे॑ति। स्थि॒रा। म॒घव॑द्भ्य इति॑ म॒घव॑त्-भ्यः। त॒नुष्व॑। मी॒ढ्वः।
 तो॒काय॑। तन॑याय। मृ॒डय॑॥ मी॒ढु॒ष्टमे॑ति मी॒ढुः-त॒म। शि॒व॒तमे॑ति शि॒व॒-
 त॒म। शि॒वः। नः। सु॒मना॑ इति॑ सु-मनाः॑। भ॒व॥ प॒र॒मे। वृ॒क्षे।
 आयु॑धम्। नि॒धा॒येति॑ नि-धा॒य। कृ॒त्ति॒म्। वसा॑नः। ए॒ति। च॒र।
 पिना॑कम्। (२४)

बिभ्र॑त्। ए॒ति। ग॒हि॥ वि॒कि॒रि॒देति॑ वि-कि॒रि॒द्। वि॒लो॒हिते॑ति॑
 वि-लो॒हित॑। नमः॑। ते। अ॒स्तु। भ॒ग॒व इति॑ भग-वः॑॥ याः।
 ते। स॒हस्र॑म्। हे॒तयः॑। अ॒न्यम्। अ॒स्मत्। नी॑ति। व॒प॒न्तु। ताः॥
 स॒हस्रा॑णि। स॒हस्र॑धेति॑ सहस्र-धा। बा॒हु॒वोः। तव॑। हे॒तयः॑॥ तासा॑म्।
 ईशा॑नः। भ॒ग॒व इति॑ भग-वः॑। प॒रा॒चीना॑। मु॒खा। कृ॒धि॥ (२५)

स॒हस्रा॑णि। स॒हस्र॑श इति॑ सहस्र-शः। ये। रु॒द्राः। अधी॑ति।
 भू॒म्या॑म्। तेषा॑म्। स॒हस्र॑यो॒ज॒न इति॑ सहस्र-यो॒ज॒ने। अवे॑ति।

धन्वा॑नि। तन्म॑सि॥ अ॒स्मिन्। म॒हति॑। अ॒र्णवे॑। अ॒न्तरि॑क्षे।
 भ॒वाः। अधि॑॥ नील॑ग्रीवा॒ इति॑ नील॑-ग्रीवाः। शि॒ति॒कण्ठा॒ इति॑
 शि॒ति॒-कण्ठाः॑। श॒र्वाः। अधः॑। क्ष॒मा॒च॒राः॥ नील॑ग्रीवा॒ इति॑
 नील॑-ग्रीवाः। शि॒ति॒कण्ठा॒ इति॑ शि॒ति॒-कण्ठाः॑। दि॒वम्। रु॒द्राः।
 उ॒प॒श्रिता॒ इत्यु॒प॒-श्रिताः॑॥ ये। वृ॒क्षे॒षु। स॒स्मि॒ञ्ज॒राः। नील॑ग्रीवा॒
 इति॑ नील॑-ग्रीवाः। वि॒लो॒हि॒ता॒ इति॑ वि॒-लो॒हि॒ताः॑॥ ये। भू॒ता॒ना॑म्।
 अधि॑प॒तय॒ इत्यधि॑-प॒तयः॑। वि॒शि॒खा॒स॒ इति॑ वि॒-शि॒खा॒सः॑।
 क॒प॒र्दि॒नः॑॥ ये। अ॒न्ने॒षु। वि॒वि॒ध्य॒न्ती॒ति॑ वि॒-वि॒ध्य॒न्ति॑। पा॒त्रे॒षु।
 पि॒ब॒तः॑। ज॒ना॒न्॥ ये। प॒थाम्। प॒थि॒रक्ष॑य॒ इति॑ प॒थि॒-रक्ष॑यः।
 ऐ॒ल॒बृ॒दाः। य॒व्यु॒धः॑॥ ये। ती॒र्था॒नि॑। (२६)

प्र॒च॒र॒न्ती॒ति॑ प्र॒-च॒र॒न्ति॑। सू॒का॒व॒न्त॒ इति॑ सू॒का॒-व॒न्तः॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण॒ इति॑
 नि॒-स॒ङ्गि॒नः॑॥ ये। ए॒ता॒व॒न्तः॑। च॒। भू॒या॒सः॑। च॒। दि॒शः॑। रु॒द्राः।
 वि॒त॒स्थि॒र॒ इति॑ वि॒-त॒स्थि॒रे॑॥ ते॒षा॑म्। स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न॒ इति॑ स॒ह॒स्र॒-
 यो॒ज॒ने॑। अ॒वे॒ति॑। धन्वा॑नि। तन्म॑सि॥ नमः॑। रु॒द्रे॒भ्यः॑। ये। पृ॒थि॒व्या॑म्।
 ये। अ॒न्तरि॑क्षे। ये। दि॒वि॑। ये॒षा॑म्। अ॒न्नम्। वा॒तः॑। व॒रु॒षम्। इ॒षवः॑।
 ते॒भ्यः॑। द॒श॑। प्रा॒चीः॑। द॒श॑। द॒क्षि॒णा॑। द॒श॑। प्र॒ती॒चीः॑। द॒श॑। उ॒दी॒चीः॑।
 द॒श॑। ऊ॒र्ध्वाः॑। ते॒भ्यः॑। नमः॑। ते। नः॑। मृ॒ड॒य॒न्तु॑। ते। यम्। द्वि॒ष्मः॑।
 यः। च॒। नः॑। द्वेष्टि॑। तम्। वः॑। ज॒म्भे॑। द॒धामि॑॥ (२७)

त्र्य॒म्ब॒क॒मि॒ति॑ त्रि॒-अ॒म्ब॒क॒म्। य॒जा॒म॒हे॑। सु॒ग॒न्धि॒मि॒ति॑ सु॒-ग॒न्धि॒म्।
 पु॒ष्टि॒व॒र्ध॒न॒मि॒ति॑ पु॒ष्टि॒-व॒र्ध॒न॒म्॥ उ॒र्वा॒रु॒क॒म्। इ॒व॒। ब॒न्ध॒ना॒त्। मृ॒त्योः॑।

मु॒क्षी॒य॒। मा॒। अ॒मृता॑त्॥ यः॒। रु॒द्रः॒। अ॒ग्नौ॒। यः॒। अ॒प्सि॒स्वत्य॑प्-सु॒।
 यः॒। ओष॑धीषु॒। यः॒। रु॒द्रः॒। वि॒श्वो॒॑। भुव॑ना॒। आ॒वि॒वेशे॑त्या॒-वि॒वेश॑।
 तस्मै॒॑। रु॒द्राय॒॑। नमः॒॑। अ॒स्तु॒॥

॥ॐ शान्तिः॒ शान्तिः॒ शान्तिः॒॑॥